ISSN: 2456–4397 RNI No.UPBIL/2016/68067 Vol-6* Issue-5* August- 2021
Anthology : The Research

यौन भिन्नता के संदर्भ में प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की गणित तथा हिन्दी विषय में प्राप्त शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

A Study of Academic Achievement In Subjects of Mathematics and Hindi of Primary School Students in Terms of Their Gender

Paper Submission: 14/08/2021, Date of Acceptance: 24/08/2021, Date of Publication: 25/08/2021

निकेश चन्द
सहायक अध्यापक
शिक्षाशास्त्र विभाग,
जू. हा. स्कूल, अशिकपुरा,
अमरोहा, उत्तर प्रदेश, भारत

सारांश

वर्तमान अध्ययन में ग्रामीण एवं शहरी बालक तथा ग्रामीण एवं शहरी बालिकाओं के बीच हिन्दी तथा गणित विषय में प्राप्त शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन के लिए ग्रामीण एवं शहरी बालक 240 तथा ग्रामीण एवं शहरी बालिका की संख्या 160 ली गयी। प्राप्तांकों का विश्लेषण टी-परीक्षण द्वारा करने पर यह निष्कर्ष प्राप्त हुआ कि ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं की अपेक्षा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालकों की हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि उच्च पायी गयी तथा ग्रामीण एवं शहरी बालकों की अपेक्षा ग्रामीण एवं शहरी बालिकाओं में गणित विषय में शैक्षिक उपलब्धि उच्च पायी गयी।

In the present study, 240 rural and urban boys and 160 rural and urban girls were taken to study the academic achievement achieved in Hindi and Mathematics among rural and urban boys and rural and urban girls. After analyzing the scores by t-test, it was concluded that the academic achievement of rural and urban boys was found to be higher in Hindi than rural and urban girls and in mathematics in rural and urban girls as compared to rural and urban boys. Academic achievement was found to be high.

मुख्य शब्दः यौन भिन्नता, प्राथमिक विद्यालय, शैक्षिक उपलब्धि

Keywords: Gender Terms, Primary School, Educational Achievement

प्रस्तावना

विद्यालय समाज का छोटा स्वरूप है, जिस प्रकार समाज में कई सामाजिक आर्थिक स्तर वाले लोग रहते हैं उसी प्रकार विद्यालय में अध्ययन के लिए आने वाले विद्यार्थियों का सामाजिक, आर्थिक स्तर तथा जाति धर्म भी अलग होते हैं। भले ही प्रत्येक छात्र दिखने में समान हो लेकिन गुणों के आधार पर वो एक दूसरे से भिन्न होते हैं। गुणों से भिन्नता के कारण ही उनकी विद्यालय में शैक्षिक उपलब्धि में भी भिन्नता पाई जाती है।

प्रत्येक छात्र की शैक्षिक उपलब्धि का स्तर भिन्न होता है, जिसके आधार पर शिक्षक उनका आंकलन करते हैं और उनके लिए योजनाएँ बनाते हैं, जिसकी नजर से छात्र उन नई योजनाओं के द्वारा शैक्षिक उपलब्धि को प्राप्त करने में सफल हो पाया है।

अतः यह निश्चित रूप से कहा जा सकता है कि छात्र तथा छात्राओं में शैक्षिक उपलब्धि स्तर कई प्रकार के व्यक्तिगत, सामाजिक, आर्थिक तथा मनोवैज्ञानिक कई कारकों से प्रभावितहोता है। वर्तमान अध्ययन में हिन्दी तथा गणित विषय में छात्र तथा छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि के अध्ययन का प्रयास किया गया है।कई पूर्ववृत्ति अध्ययनों में शैक्षिक उपलब्धि द्वारा यौन भिन्नता के बीच सार्थक सम्बन्ध प्राप्त किए गए है।(Campbell & Fiske, 1959: Cook &

Campbell, 1979)। Murphy, 1980 ने अपने अध्ययन में पाया कि शैक्षिक उपलब्धि के संदर्भ में यौन भिन्नता को लेकर कोई निश्चित निष्कर्ष नहीं दिया जा सकता। शेखर, चन्द्र और चैधरी, प्रिया (2017) के अनुसार इनके परिणाम यह बताते हैं कि विज्ञान और कला वर्ग के विद्यार्थियों की उपलब्धि प्रेरणा के बीच तथा ग्रामीण एवं शहरी छात्रों पुरूष एवं महिला छात्रों की उपलब्धि प्रेरणा के बीच महत्वपूर्ण अंतर पाया गया जो यह संकेत करता है कि छात्रों की उपलब्धि प्रेरणा में लिंग और अकादमिक प्रमुख महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अध्ययन का उद्देश्य

वर्तमान समय में प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों की गणित तथा हिन्दी विषय में शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करने का प्रयास किया गया।

अध्ययन विधि

वर्तमान अध्ययन में ग्रामीण एवं शहरी बालक 240 तथा 160 ग्रामीण एवं शहरी बालिकाओं का चयन प्रतिदर्श के रूप में किया। शैक्षिक उपलब्धि के लिए पिछली कक्षा में प्राप्त गणित तथा हिन्दी विषय में प्राप्त प्राप्तांकों को लिया गया। प्रतिदर्श की इकाईयों का चयन प्राथमिक विद्यालयों में पांचवीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं में से समान संजोग पद्धति द्वारा किया गया।

परिणाम एवं विश्लेषण

प्राप्त परिगामों को विश्लेषण एवं व्याख्या के लिए सारणी संख्या 1 और 2 में दर्शाया गया है।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं की हिन्दी विषय में उपलब्धि

प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में संचालित योजनाओं का ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालकों तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की हिन्दी विषय में उपलब्धि में प्रभाव-

सारणी–I

घटक	मध्यमान	संख्या	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात का मान	स्वातंत्र्य संख्या	सार्थकता स्तर
ग्रामीण एवं शहरी बालक	30.26	240	5.58	2.907	398	*
ग्रामीण एवं शहरी बालिका	29.50	160	4.59			

* 0.01 पर सार्थक, ** 0.05 पर सार्थक, *** सार्थक नहीं

व्याख्या

सारिणी संख्या-1 के अनुसार प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 240 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालकों की हिन्दी विषय में उपलब्धि का मध्यमान 30.26 है तथा 160 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की हिन्दी विषय में उपलब्धि का मध्यमान 31.76 है। प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम में संचालित योजनाओं के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र तथा शहरी क्षेत्र की बालक एवं बालिकाओं के हिन्दी विषय में उपलब्धि अंकों के मानक विचलन क्रमशः 5.58 व 4.59 पाया गया तथा गणना में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं के हिन्दी विषय में अंकों से क्रान्तिक अनुपात का मान 2.907 प्राप्त हुआ। यह मान इस बात को सिद्ध करता है कि दोनों समूह के हिन्दी विषय के उपलब्धि प्राप्तांकों में 0.01 स्तर पर सार्थक प्रभाव पाया गया है क्योंकि सार्थक अन्तर के प्रभाव को स्पष्ट करने के लिए 398 स्वातंत्र्य संख्या के अनुसार क्रान्तिक अनुपात का मान 0.01 व 0.05 स्तर पर मान क्रमशः 2.59 व 1.97 होना आवश्यक है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात का मान 2.907 इस आवश्यक 2.59 के 0.01 स्तर के मूल्य से अधिक है इसलिए यह स्पष्ट है कि प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय में संचालित योजनाओं का ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के बालक एवं बालिकाओं की हिन्दी विषय की उपलब्धि में सार्थकता पायी गयी अर्थात् योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव पाया गया।

अतः प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में संचालित योजनाओं का शहरी क्षेत्र के बालक की हिन्दी विषय में उपलब्धि की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्र के बालिकाओं की हिन्दी विषय में उपलब्धि कम पायी गयी।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों की बालक एवं बालिकाओं की गणित विषय में उपलब्धि

प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में संचालित योजनाओं का ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालक/बालिकाओं एवं शहरी क्षेत्र की गणित विषय में उपलब्धि में प्रभाव-

सारणी–II

घटक	मध्यमान	संख्या	मानक विचलन	क्रान्तिक अनुपात का मान	स्वातंत्र्य संख्या	सार्थकता स्तर
ग्रामीण एवं शहरी बालक	28.70	240	8.75	5.321	398	*
ग्रामीण एवं शहरी बालिका	33.61	160	9.23			

* 0.01 पर सार्थक, ** 0.05 पर सार्थक, *** सार्थक नहीं

व्याख्या

सारिणी संख्या-2 के अनुसार प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् 240 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालकों की गणित

विषय में उपलब्धि का मध्यमान 28.70 है तथा 160 ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की गणित विषय में उपलब्धि का मध्यमान 33.61 है। प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम में संचालित योजनाओं के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र तथा शहरी क्षेत्र की बालक एवं बालिकाओं की गणित विषय में उपलब्धि अंकों के मानक विचलन क्रमशः 8.75 व 9.23 पाया गया तथा गणना में ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालयों के बालक एवं बालिकाओं के गणित विषय के अंकों से क्रान्तिक अनुपात का मान 5.321 प्राप्त हुआ। यह मान इस बात को सिद्ध करता है कि दोनों समूह एवं क्षेत्रों के गणित विषय के उपलब्धि प्राप्तांकों में 0.01 स्तर पर सार्थक प्रभाव पाया गया है क्योंकि सार्थक अन्तर के प्रभाव को स्पष्ट करने के लिए 398 स्वातंत्र्य संख्या के अनुसार क्रान्तिक अनुपात का मान 0.01 व 0.05 स्तर पर मान क्रमशः 2.59 व 1.97 होना आवश्यक है। प्राप्त क्रान्तिक अनुपात का मान 5.321 इस आवश्यक 2.59 के 0.01 स्तर के मूल्य से अधिक है इसलिए यह स्पष्ट है कि प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय में संचालित योजनाओं का ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र के बालक एवं बालिकाओं की गणित विषय की उपलब्धि में सार्थकता पायी गयी अर्थात् योजनाओं का सकारात्मक प्रभाव पाया गया।

अतः प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों में संचालित योजनाओं का ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालकों की गणित विषय में उपलब्धि की अपेक्षा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की गणित विषय में से उपलब्धि कम पायी गयी।

निष्कर्ष

1. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालक की हिन्दी विषय में उपलब्धि की अपेक्षा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की हिन्दी विषय में उपलब्धि निम्न पायी गयी।
2. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बालकों में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की बालिकाओं की अपेक्षा गणित विषय में उपलब्धि कम पायी गयी।

सन्दर्भ सूची

1. *शेखर चन्द्र और चैधरी प्रिया (2017), इन्फलूएन्स ऑफ अचीवमेन्ट मोटिवेशन ऑन एकेडमिक अचीवमेन्ट आॅफ सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स, ऐशियन ऐसोनेन्स, 6(3) Retrieved from RNI No. UPENG/2012/42622.*
2. *Murphy, R.J. (1982). Sex Differences in Objective Test Performance. Searle, S.R. (1971). Linear Models. New York Wiley.*
3. *Cook, T. & Camball, D. (1979). Quasi Experimentation : Design and Analysis Issues for Field Setting's. New York : McGraw Hill.*
4. *Madaus, G.F. & Macnamara, J. (1970). Public Examination. A Study of the Irish Leaving Certificate. Dublin : Educational Research Centre, St. Patrick's College.*
5. *Cambell, D. & Fiske, D. (1959). Convergent and Discriminate Validation by the Multi-trait Multi-method Matrix. Psychological Bulletin, 56, 81-105.*
6. *Smith, G.M. (1933). Group factors in mental tests similar in material or in structure. Achieves of Psychology, 156, 1-56.*